



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड / Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1138117

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Archit Dangre

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25th August, 2023

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हों :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों को
इस इतिहास में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

③ Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.

The Sankhya school of philosophy in the Indian philosophical pantheon speaks extensively of the union of "Purusha" (soul) & "shakti" in the form of "prakriti" (active cause of manifestation).
From absolute nothingness, simply by the union of both "Purusha" & "prakriti" the magnificent universe we experience

evolves in its full glory. These are not discrete singular instances but millions & billions of cycles of such creations & destructions reveal the nature of reality

It can then be ascertained with a level of philosophical conviction that the "end" is never really the end, for with it, by its very existence, it carries the seed of future possibilities for the creation of something new, something better, something far more fulfilling & glorious. Asin to the Idea of Samkhya is the journey of the caterpillar in its cocoon. & its destiny of transforming into a butterfly.

Since time immemorial man is always been in a quest for truth. Indian saints

would tell us our chief predicament is our ignorance (or avidya). They say that our ignorance is like a cocoon that blinds us from recognizing our true nature. We, for a fact, are one with god. Our real nature is the spirit of existence itself. Many millennia have passed yet this wisdom reveals us the truth of our being. Self introspection & meditation is recommended to break the cocoon of ignorance & realise our potential of being a "butterfly".

Taking up the idea of being in a cocoon, one may ask what is a cocoon? What does it mean to be in a cocoon? There can be many answers to that. For instance, ignorance of one's true potential

is being in a cocoon. Doubting ones capabilities despite having the potential is also akin to placing oneself in a cocoon of self doubt. But the biggest cocoon is being in a position where we have accepted that we cannot go any further. Contentment with ones position or giving up in complacent ways to our own weaknesses is the biggest fallacy. We do not realize that we have the possibility of shaping & growing into greater things. By our intrinsic nature of being humans we have capacities we do not know of ourselves. Just like a caterpillar that is oblivious to its destiny of being able to fly once it undergoes its natural transformation. The caterpillar doesn't need to do much except endure the harsh conditions of nature, collect food &

ensure it is in a position to safely build itself a cocoon. The rest is taken care for it by nature itself. Thus, our cocoons of ignorance, self doubt, prejudices are already built we must take a slightly divergent path of "breaking out" of the cocoon. This is our path to self actualize & self-transform to undergo a personal metamorphosis into a "butterfly" that we are naturally & intrinsically destined to be.

What then could it mean to be a butterfly? An Academy Award movie, 'Dallas buyers club' would be an apt example to explain. The movie entails the journey of a man suffering from HIV & his journey to procure medicines that were at the time very difficult to come by.

He not only fights the system to procure his medicines but comes across many others like him suffering similarly. In his bid to save himself, he end up realising the need to work for others. Thus, he open his own dispensary for other victims like himself & dedicates himself for the welfare of HIV patients. A "butterfly" is such a transformed person that has undergone the test of time & life. A "butterfly" learns from his failures and endures patiently all hardships that life has to offer, because a butterfly knows that at the end of a difficult period, like in a cocoon, awaits a better, brighter & more rewarding possibility.

Politics & History is replete with such transformations. In the past, claimants to the throne regarded monarchy as the best political system, for example, Chanakya. who

declared monarchy as the most apt political system. Yet as is it with humans, the "cocoon" had to be broken & clarion calls for freedoms of all kinds were sounded.

Democracy, capitalism, free markets are now regarded as the ultimate systems or ends of innumerable revolutions & wars. Yet, just when we try to put ourselves in a cocoon of settling for democracy, the possibility of being a butterfly still lingers. People have been asking for further improvements. Deliberative democracy, participative democracy, decentralized democracy have been in vogue. These are regarded as the better & more complete versions of our current system. or one could say the "butterflies".

Thus a seeming end is but an illusion.

At the moment it seems like the end is near & the destiny is reached, a bigger & better possibility awaits us. It would be relevant to bring in one such example from our society itself. Medieval times were marked with poor conditions for women. They were put in a "cocoon" of subservience. But possibilities & aspirations of becoming a "butterfly" existed even back then. A famous novel "Sultana's dream" (1905) paints a picture of world where women worked as scientists, doctors & men were homebound & had to follow the purdah system. Further more feminist movements brought out the ideas of freedom to vote, work etc for women. With time this transformative process of breaking upon the cocoon is complete to some extent. Women today, as transformed "butterflies", actively contribute to society as workers, voters, mothers, doctors.

The shroud of ignorance was not limited to society alone. The cocoon of limitedness was pervasive to all forms of thought.

For instance, it was believed that the

sun & everything else revolved around the earth. Even 'learned men' like Aristotle

believed that women had lesser teeth than men or that you could cure an insomniac elephant by giving it wet towel rubs.

It sounds bizarre, but the cocoon of superstition engulfed science & spirit of enquiry. But as it is with nature so it is with human thought. A caterpillar is destined to break open the cocoon & fly.

Scientific revolutions, renaissance, & many other discoveries dispelled these superstitions

Newton & many others gave conclusive theories on laws of motion, gravity, light etc.

But even then there is no conclusive ground. Scientific metamorphosis is even more capricious. A single discovery changes the whole structure. The cocoon is constantly renewed & constantly broken in an everlasting process of discovery & evolution. Today, Quantum computing is the new "butterfly" after breaking the "cocoon" of traditional computing. However, it is not very difficult to say that in due course something better & more advanced will take its place to make it, i.e., Quantum Computing a cocoon to be broken.

On a personal level it seems important for one to maintain one's ideas. It might sometimes seem difficult or even uncomfortable to let go of one's beliefs & ideas. In a famous ~~novel~~ ^{book} "Ego is the Enemy", the author talks of the hesitancy of people to hear contrary to their ideologies. After all why break the cocoon? It is such a cozy

& comfortable place to be. It keeps us
secure & happy. It keeps us free from taking
difficult decisions, free from getting into
dilemmas & free from confrontation, conflicts
& chase. But no. The cocoon must be
broken, even if it feels like the cocoon
has become too heavy & the end has come.
It needs to be broken for the sole purpose
of realizing our own true potential.

Just when we feel we can do no more
we must know its our intrinsic nature to
overcome & overpower our limitation. The
poem "Invictus" (William Hensley) brings out
the intrinsic potential of man for greatness.

Trusting our own capabilities is then the
mantra to overcome any difficult circumstance.
It is our very potential to adapt, respond
& overcome that transforms us into a

'butterfly' just when things seem gloomy & ends seem near. Ordinary men have performed great acts of valour on the battlefield. Even they did not know they had it in them. Yet the ground work for metamorphosis must be undertaken by us. Before going into the cocoon the caterpillar ensures food & necessary conditions are taken care of.

It is important to know that we, despite our transformative potential must not be too content or complacent, for a further transformation could be in order. Perhaps this is what Robert Frost meant when he said "I have miles to go before I sleep". Thus may we work towards our goals patiently, break open our cocoons & even in times of imminent defeat realize our potential as glorious "butterflies".

"Man is the greatest of all beings;
None is greater than man"

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow

"Whether you say you can or you can't you are right"
- H. Ford.

The words spoken above have a much deeper meaning when it comes to realizing the aspect of positive thinking & living. Keeping our face to the sunshine would mean looking at the bright side of things. Given in different

contents it could mean capitalizing on opportunities presented. The interpretations could be varying but all seek to express unequivocally the importance of placing our attention & focus on the right things.

'Shadows' then are but an inescapably linked aspect of the same process. Where there is light there will be darkness. Where there is good there will be evil. One might refer to the Chinese Yin-Yang that drives home the very same point.

Shadows could be the limitations we face, or they could be the negative feelings that we feel or simply an unfavourable outcome.

What is crucial in all these aspects is to focus the attention at all times on the things that are positive & helpful.

Morinating in our own helplessness & lamenting on how we are victims of an unfeeling & random fate will do us no good. It is instead the better choice to be pragmatic & make the best of what we have & can control given the situations and circumstances.

In speaking of making most of things that are favourable to us despite negative times, the story of Steve Jobs comes to mind. Despite tasting success of great proportions he had the misfortune of being removed from the company he founded (Apple). Notwithstanding his frustration & anger we made a conscious decision to look at the 'sunshine'. He explored different avenues & made ~~all~~ use of all choices at his disposal. He eventually went on to found 'Pixar Studios' that became

such a success that Apple decided to ask Steve Jobs to come back. Had Steve Jobs stayed in the "shadows" of failure, he wouldn't have been able to make it that big. Elon Musk too has a similar story. In a difficult situation to choose between Tesla & SpaceX he decided to split the money he had and put it all in equally in both companies. He had a vision or one could say he could see the sunshine that shed light on a future where space travel was affordable & cars could drive themselves. Needless to say both companies are thriving to day far from the "shadows" they were once in.

Looking at sunshine and then not being able to see a shadow has significance of great proportions when it comes to personal relations. We are often advised to look at

the good in people. Everybody has their own shortcomings, yet to be able to see the positive side is true test of wisdom. Gandhiji has famously said "Hate the sin & not the sinner".

The shadows & darkness in a person can be overlooked by looking at the good qualities in them. A similar story of Confucius (an ancient Chinese philosopher) & a thief is a case in point. When asked how the thief should be treated, Confucius replied "just like everybody else after all he too is human". Hence, overlooking the shadows has special emphasis in Chinese thought that proposes the idea of "ren" (benevolence) to go beyond animosity & embrace the "sunshine" in a person's heart.

The idea of constantly progressing towards an set objective without not giving up or crumbling to our weaknesses is also in harmony with keeping our face to the sunshine. Take for instance, the Indian freedom struggle. The freedom fighters were persistent on liberating India yet the colonial administration was apathetic. Yet by progressive agitations & reforms eg Act of 1909, 1919, 1935 we were able to extract greater freedoms & opportunities. Had our founding father focused on the "shadows" or given up after severe repressions, lathi charges we would be enslaved for many more years. But the progressive ~~causing~~ breakdown of the Raj by calculated movements, non-cooperation

served as sunshine to the masses who were morose under oppression. By keeping their head faced to the sun or ~~the~~ metaphorically the goal of freedom, they were able to look past the shadows of oppression, tyranny, death & discrimination

Even the scientific world is full of such instances. One might recall the glorious failures of Thomas Alva Edison in inventing the light bulb. The shadows of failure haunted him daily, yet one single instance of success and the light of the glowing bulb eliminated the shadows of failures that had lingered behind him. Science is repeated attempts at theory. In a more recent content, our very own Chandrayan 3 has

successfully landed on the south pole of the moon. Chandrayan 2 had an unfortunate crash landing. But the scientists at ISRO did not remain settled in the shadows of failure. The improved soft landing system, increased landing area & many other improvements are the outcome of looking at the sunshine in hope of a future successful launch. As an outcome of their positivity it is a matter of joy for every Indian that the next time they look at the moon & admire it, there will be a tiny piece of India on it.

The importance of positive thinking or metaphorically looking at the sunshine has been brought out by numerous thinkers. "The Secret" by Rhonda Byrne talks about how thoughts become things. We

manifest what we actively visualize. Our thoughts & feelings shape the world around us. Another excellent book,

'Atomic Habits' speaks persuasively of the ability of positive affirmative action

that eventually compounds to give great dividends. Focusing on the 'shadows'

or our personal insecurities would only help to hold us back. As positive

thoughts bring positive results, so do negative emotions lead to negative

outcomes, argues Rhonda Byrne. Hence, we must shun negativity & run from

the "shadows" of jealousy, envy, hate & wish well for the well being & success of others.

On a different note, it might be argued by some that by turning away from the shadows and focusing only on the 'sunshine', are we not following an escapist ideology? Shouldn't we delve into the darkness & understand the drawbacks of the situation? - These are valid & fruitful understandings. Turning toward the sunshine does not mean neglecting the weaknesses. It in fact means capitalizing on the abilities & opportunities in the present circumstance to make oneself capable of later dealing with the difficulties i.e. the "shadows". Thus, it proposes a pragmatic approach & not an abstract idealist philosophy. It is something everyone can actively practice & implement in their own lives.

In facing the 'sunshine' & not being able to see the 'shadows', we must not let others get 'eclipsed' in the process. To be 'eclipsed' means to forsake the other for our personal ends. Gandhiji & Kant spoke in depth of keeping the means just and only then could the ends be justified. Positive thinking & capitalizing on available opportunities must not be at the cost of others' ability to come out of the 'shadows'. It is much more fruitful & fulfilling when we are able to help others in the process of self help.

Sunshine not only dispels darkness i.e. prejudice, ignorance etc, but is also

posited to have anti-septic properties.

Education as sunshine must be prioritized in society as means to eliminate ills of gender bias, hate, racism, discrimination etc. Sunshine or the light of rationality

objectivity & scientific attitude must drive all our endeavours. Just like sunshine that

encompasses not just one colour but a spectrum of colours we must be accepting of all different ideologies, faiths, religions & dispel the darkness of narrow regionalism & shadows of parochialisms.

In the spirit of Indian society & religion - "Tamas so maya jyotirgamaya"

("Let knowledge take me from darkness
unto light")

SPACE FOR ROUGH WORK

③ ~~At~~ At the moment when it seemed like the end had come, destiny revealed

→ a more brighter / better / future possibility / opportunity
(one flew over the cuckoo nest), Imichha (w. Hemant)

What is a cocoon??
→ what is it to be a butterfly
→ self potential (Intrinsic cap)
"man is the greatest of none is greater than"

destiny of man to be great - spiritual angles
- Adisankhara
- Ramdhanath
- vikaranism
- Vikehananda

→ seeming end is an illusion reality is ever changing & expanding.

Pursuit of Happiness - with mitha - Economic.
stere jobs - kicked out →
financial crisis (India) →

Env → Bigberg, Ice age

Political → revolutions, fascism all are ~~are~~ were
overthrown to establish something better
→ democracy
now → tech driven, participative deliberative
democracy

Science - Quantum is not new computing.

Society - women - cocoon of self-negligence
shroud of ignorance

sultana's dream (1905)
feminist movements → transformed to a
butterfly (active voter
proactive contributors
to economy).

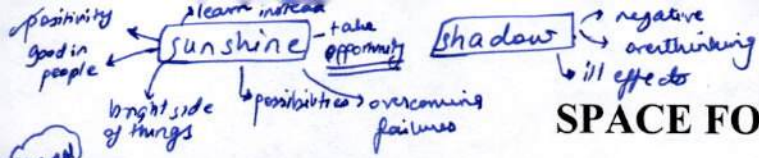
Robert Frost - "Miles to go before I sleep"

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

Shadows? Sunshine?

SPACE FOR ROUGH WORK



Look at the bright side of things & you will not be troubled by the difficulties & drawbacks

Think positively &

Stere jobs - saw as an opportunity
Col Sanders

Atomic Habits.

focus & eyes on the prize



"Eclipsed"

Religious saint -> celebrate similarities
Confucius - "ren" benevolence
Gandhi - "sin not sinners"



VisionIAS